

मनमोहना | by Sukh Sagar

मैंने जिससे प्रीत लगाई मुरली मनोहर वो कृष्ण कन्हाई
ऐसा वो सांवरा जाने मन को मोहना
मैंने जिससे प्रीत लगाई

इक दिन मेरे सपनों में आया
आकर बोलै क्यों भरमाया
भूल जा साड़ी जग की माया
नश्वर है ये तेरी काया
बन जा तू मेरा बस मेरा
कर गया बावरा सपना वो सोहाना

अब तो ऐसी लगन है लागि
सुध बुध मैंने सब विसरा दी
उसके बिना ना कुछ भी बी भावे
हर पल टीटू याद सतावे
मिल जा हुआ तेरा बस तेरा
एक बार मिल ज़रा ये प्रीत ना तोडना
मैंने जिससे प्रीत लगाई

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-sukh-sagar/>